THE Dated 27/11/201

PARLIAMENTARY DEBATES

(Part II—Proceedings other than Questions and Answers)

OFFICIAL REPORT

HOUSE OF THE PEOPLE

Thursday, 29th April, 1954

The House met at a Quarter Past Eight of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

QUESTIONS AND ANSWERS

(See Part I)

8-56 A.M.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS BILLS

PRESENTATION OF SEVENTH REPORT

Shri Kashiwal (Kotah-Jhalawar): I beg to present the Seventh Report of the Committee on Private Members Bills and Resolutions.

COMPANIES BILL—*contd.*

Mr. Speaker: The house will proceed now with the further discussion on the motion referring the Companies Bill to a Joint Committee moved yesterday by the hon. Finance Minister.

Mr. T. N. Singh

श्री टी० एन० सिंह (जिला बनारस—पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, इस परिवर्तनशील संसार में जहां सभी चीजें अनियत और अनिश्चित आलम होती हैं, उस संसार में जो चीज सब से पहले निश्चित और नियत है वह यह है कि आज मुझे बोलना है बल्कि यह कल ही तय हो गया था, तो इस वास्ते मैं आप लोगों के सामने उसी नियत द्वारा मजबूर हो कर बोल रहा हूं। लेकिन फिर भी हमारे एक मित्र ने हमारे साथ बड़ी हमदर्दी जाहिर की है और उन्होंने कहा कि अखबार में पढ़ा या बुलेटिन में लिखा देखा था कि "I was on my legs" उनको बड़ी तकलीफ हुई कि कल से आज तक मैं लेग्स पर हूं। मैं उनकी सहानुभूति के लिये कृतज्ञ हूं। खैर मैं अब अपने विषय पर आता हूं।

तो हां कल मैं यह कह रहा था कि इस ला में इस कानून में कौन सी ऐसी चीज है जिसके अनुसार हमारी जो पहले शिकायतें रही हैं पहले जमाने की कि कोई आदमी लोगों को धोखा देकर के कम्पनी बना सकता है और दस, दस पये के शेयर्स ले करके दूसरों के पयों से जुआ खेल सकता है, उसके लिये इस कम्पनी ला में क्या कोई रुकावट आपने प्रोवाइड की है। यह साधारण कम्पनी की बात है, मैनेजिंग एजेंसी से कोई मतलब नहीं है। मैंने तो इस महाभारत को भी थोड़ा बहुत पढ़ने की कोशिश की, यह कांस्टीटयूशन से भी बड़ा है और जैसा मैं पहले भी कह चुका हूं मैं वकील नहीं हूं इस वास्ते यदि कहीं ग़लती कर रहा हूं, तो हमारे फाइनेन्स मिनिस्टर और ला मिनिस्टर, वह इस समय यहां नहीं हैं, वह उसको सुधारने की कोशिश करेंगे, फिर भी मैंने अपनी तुच्छ बुद्धि के अनुसार इसको देखा है और मेरी